

0792

丁-

近

る

と

鮮

柿

(初稿)

一九七九年八月

H124.3

H124.3
5

5

近义字辨析

(初稿)

前 言

全国人民在以华主席为首的党中央的正确领导下，正为完成新时期的总任务实现四个现代化而忘我地劳动，教师们也为把工作着重点转移到提高教学质量上来而豪情满怀地进行教学，本书就是在这个革命大好形势下编写的。

词是能够独立运用的最小的语言单位。有些字能单独表示一个词，有些字在古汉语里能够单独表示一个词，在现代汉语里不能单独表示一个词，但是能够作为词里的一个成分（词素），如书中“眼·目”的“目”、“柔·软”的“柔”、“威·权”的“威”等等，所以都称它们为字。

对一些意义相同或相近的字（单音词或多音词的词素），往往是“浑言则同，析言则别”，如能确切加以理解，辨析其异同，对阅读欣赏作品；确切理解文章的内容；对遣词造句，增强语言的表达能力；避免用词不当和提高语文教师的“双基”教学能力等，会有好处的。语言有它的继承性，也有它的时代性，对一些字（词）古今意义的变迁，如能略知一二，并辨析其异同，对阅读古代文献资料，确切了解古典作品，也会有很大好处。

本书所选用的字词是比较常用的实词，因为虚词只有语法意义，没有词义，所以没有选用。

在分辨每组字词时，基本上解释它们的相同（或相似）

意义和重大差异之处，很少涉及这些字词的全部意义，因为它不同于字典。在解释字词的意义时，以现代汉语为主，如遇古今词义有变迁时，则分别加以说明，有时还酌量谈些字源、本义和引申义，并引述《说文》之类的词书。遇有文言词汇，则按古汉语语法加以解释。在解释过程中，除了引用中小学语文教材为例外，尽量少引用或不引用其它古书上的例子，以免增加青年读者的负担，但是为了能够说明问题，个别地方还是引用了一些。有些地方还引用了一些成语。另外，在解释的同时，还酌量地分辨一些词义相近而容易造成错别字的字。

限于编者水平，在内容和方法上仍不免有缺点和错误，诚恳地希望读者和语文工作者批评指教！

由于一个一个的单字解释，不能完全满足读者的需要，因此，本书在每章之后附录了一个“常用字表”，供读者参考。这个“常用字表”包括了本章中出现的全部生字，以及一些常用的字。这些字都是按照它们在本章中的出现频率排列的。对于一些较难认的字，还特别标注了注音。在“常用字表”之后，还有一个“难字注音表”，列出了书中出现的全部生字及其注音。这样，读者就可以很方便地查到所需的字词了。

在编写过程中，参考了多种辞书，如《现代汉语词典》、《辞海》、《辞源》等，同时也参考了《新华字典》、《辞海》、《辞源》等辞书。

凡例

- 一、述说的次序是按每组第一个字的笔画多少并按点、横、竖、撇、折的笔画顺序排列的。
- 二、在正文里，每组字的条目都用汉语拼音字母注音，标声调，有些字还在文内加注直音。
- 三、所引用的古籍文句、人名或书篇名，一般用简化字，但对可能引起误会时，仍保留原来的繁体字或异体字。
- 四、在解释过程中，主要引用中小学语文教材中所选用的毛主席著作和鲁迅先生等作品，以及一些文言文。对第一次引用的课文，往往在篇名后面注明选自某某书，使无课本者便于查阅。
- 五、对成语的引用，除个别的外，一般不加注释。
- 六、每组字只分辨其异同，个别地方对这组字词所组成的复词，也进行了解释。
- 七、书末附有笔画检字表和音序检字表。

目

- 一 画
- 一·壹 (1)
- 二 画
- 二·貳·兩(附“俩”) (3)
- 几·案·桌 (5)
- 几·机·械 (6)
- 儿·子 (6)
- 刁·狡·詐·伪·
佞·黯 (8)
- 刀·刃 (10)
- 三 画
- 门·户·扉·扇·
闻 (10)
- 之·如·适·赴 (11)
- 士·卒·兵·军·
师·甲·戎 (11)
- 三·參·
“仨” (12)

次

- 亏·损 (13)
- 干·戈 (14)
- 干·支 (14)
- 才·材 (15)
- 上·尚 (15)
- 山·岭·冈·阜 (16)
- 口·嘴·喙 (16)
- 尸·殍·僵(殮) (17)
- 弓·弩 (17)
- 四 画
- 计·慮·图·謀 (18)
- 文·章 (19)
- 文·字 (19)
- 父·甫 (20)
- 五·伍 (20)
- 牙·齒 (21)
- 云·霞·雨·霧·
露·霜 (21)
- 切·磋·琢·磨 (22)
- 无·不·沒 (23)

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|-------|------|-------|-------|--------|------|-------|------|-------|------|-------|------|--------|------|-------|-------|-------|------|-------|------|
| 王 | · | 主 | · | 君 | · | 帝 | · | | | | | | | | | | | | | |
| 皇 | | (24) | | | | 玉 | · | 璞 | | (37) | | | | | | | | | | |
| 尤 | · | 愈 | · | 弥 | | (25) | | 平 | · | 坦 | | (37) | | | | | | | | |
| 见 | · | 视 | · | 观 | · | 望 | | (25) | | 打 | · | 拍 | · | 扑 | · | 揍 | · | | | |
| 仆 | · | 僮 | · | 民 | · | 皂 | | | | 捶 | | (38) | | | | | | | | |
| 奚 | · | 奴 | · | 婢 | · | 妾 | | (26) | | 扔 | · | 掷 | · | 甩 | · | 掼 | · | | | |
| 仆 | · | 跌 | · | 毙 | · | 偃 | | | | 丢 | · | 抛 | · | 投 | | (38) | | | | |
| 僵 | · | 倾 | | (28) | | | | | | 扒 | · | 抓 | · | 搔 | · | 挠 | | (39) | | |
| 公 | · | 共 | | (28) | | | | | | 去 | · | 往 | · | 逝 | | (40) | | | | |
| 反 | · | 返 | · | 复 | (復) | | (29) | | | 四 | · | 肆 | | (41) | | | | | | |
| 升 | · | 斗 | · | 石 | (附“担”) | | (29) | | | 叫 | · | 啼 | · | 嗥 | · | 吼 | · | | | |
| 仓 | · | 库 | · | 廪 | | (30) | | | | 唳 | · | 嘶 | · | 鸣 | · | 吠 | · | 噪 | | (41) |
| 夭 | (跃) | · | 殤 | | (30) | | | | | 归 | · | 还 | | (42) | | | | | | |
| 引 | · | 却 | | (30) | | | | | | 囚 | · | 圉 | | (43) | | | | | | |
| 少 | · | 寡 | · | 鲜 | | (31) | | | | 他 | · | 她 | · | 它 | · | 伊 | · | | | |
| 书 | · | 写 | · | 图 | · | 画 | | (32) | | | 彼 | · | 之 | · | 其 | | (43) | | | |
| 丑 | · | 恶 | | (33) | | | | | | 弋 | · | 替 | · | 迭 | | (45) | | | | |
| 记 | · | 纪 | | (34) | | | | | | 仪 | · | 表 | | (46) | | | | | | |
| | | | | | | | | | | 禾 | · | 苗 | | (46) | | | | | | |
| | | | | | | | | | | 饥 | · | 饑 | · | 饿 | · | 馑 | | (47) | | |
| | | | | | | | | | | 丘 | · | 邱 | · | 陵 | | (47) | | | | |
| | | | | | | | | | | 召 | · | 招 | (附“诏”) | | (48) | | | | | |
| | | | | | | | | | | 白 | · | 素 | | (48) | | | | | | |
| | | | | | | | | | | 阡 | · | 陌 | | (49) | | | | | | |
| | | | | | | | | | | 驭 | · | 御 | | (49) | | | | | | |
| | | | | | | | | | | 纠 | · | 缠 | | (50) | | | | | | |
| | | | | | | | | | | 幼 | · | 稚 | | (50) | | | | | | |

五 画

| | | | | | | | | |
|---|-------|------|-------|------|---|---|-------|------|
| 议 | · | 论 | | (34) | | | | |
| 讯 | · | 询 | · | 问 | · | 诘 | | (35) |
| 礼 | · | 仪 | | (35) | | | | |
| 本 | · | 根 | · | 株 | · | 茎 | | |
| 梗 | | (36) | | | | | | |
| 可 | · | 能 | | (37) | | | | |

| | | | |
|---------|------|---------|------|
| 丝・毫 | (51) | 臣・宰 | (63) |
| 丝・绵・絮・缊 | (51) | 共・同 | (63) |
| 奶・乳 | (52) | 至・致・臻 | (64) |
| 矛・盾 | (52) | 死・崩・薨・卒 | . |
| 辽・阔 | (52) | 歿・殒 | (65) |
| 皮・革・肤 | (53) | 考・妣 | (66) |
| 圣・贤 | (53) | 考・察 | (66) |

六 画

| | | | |
|---------|------|---------|------|
| 冰・冻 | (54) | 屹・耸・矗・峙 | (67) |
| 决・绝 | (54) | 刚・强 | (68) |
| 次・回・趟 | (55) | 妆・装 | (68) |
| 池・沼 | (56) | 伏・趴・躺・卧 | (69) |
| 污・浊・垢 | (56) | 休・息・歇 | (69) |
| 宇・宙 | (57) | 伟・大・巨 | (70) |
| 忖・揣 | (57) | 众・庶 | (70) |
| 关・闭・合 | (58) | 迁・徙・移 | (71) |
| 交・缴 | (58) | 肌・肉 | (72) |
| 衣・裳 | (58) | 邦・国・都・邑 | . |
| 厌・餍・饱 | (59) | 城・郭 | (73) |
| 芒・刺・荆・棘 | . | 朱・红・绛・丹 | . |
| 枣 | (60) | 赤 | (74) |
| 扛・抬・担・挑 | (60) | 年・岁 | (75) |
| 权・衡・度・量 | (61) | 自・己 | (76) |
| 圭・璋 | (62) | 行・走・趋 | (77) |
| 寺・庙・庵・观 | (62) | 舟・船 | (78) |

| | | | |
|---------|------|---------|------|
| 危・殆 | (78) | 穷・困・贫 | (91) |
| 杀・弑・戕・诛 | 同上 | 弃・委・捐・蠲 | (92) |
| 戮 | (79) | 谷・粟 | (93) |
| 负・荷・戴 | (79) | 言・语 | (93) |
| 先・前 | (80) | 抑・按 | (94) |
| 名・字・号 | (80) | 抚・摩 | (95) |
| 牝・牡・雌・雄 | (81) | 折・摺・拗 | (95) |
| 耒・耜 | (82) | 报・告 | (96) |
| 阶・除・陛 | (82) | 抗・拒・抵・挡 | (96) |
| 戏・弄・玩・顽 | (82) | 寿・命 | (97) |
| 妇・女 | (83) | 均・钩 | (97) |
| 尘・埃 | (83) | 坟・墓・冢・丘 | (98) |
| 驰・驱・骋 | (84) | 坛・场 | (99) |
| 寻・常 | (84) | 两・再・复 | (99) |

七画

| | | | |
|-----------|------|---------|-------|
| 冷・凉 | (85) | 杨・柳 | (100) |
| 治・炼 | (86) | 杜・防 | (101) |
| 词・辞 | (86) | 极・竭・端 | (101) |
| 证・据・凭 | (86) | 进・晋・入 | (102) |
| 沐・浴・洗・澡・汎 | (87) | 轩・轾 | (102) |
| 沉・淀・没・潜 | (88) | 形・相・象・像 | (103) |
| 宏・洪・弘・鸿 | (88) | 严・肃 | (104) |
| 完・全・备 | (89) | 巫・觋・灵 | (104) |
| 怅・惆・憾・恨 | (90) | 更・改・换 | (105) |
| 社・稷 | (91) | 声・音 | (105) |
| | | 求・寻・觅 | (105) |
| | | 克・剋・胜 | (106) |

- 岑・峦………(107)
 盯・瞄・瞪・瞧・
 瞥・瞰・览………(107)
 听・闻………(108)
 呕・吐………(109)
 呆・笨・愚・蠢・
 傻・憨・痴・懶………(109)
 园・圃・園・苑………(110)
 时・期・世・代………(111)
 坚・固………(112)
 你・您・若・女・
 汝・尔・爾・而・
 乃………(113)
 伯・仲・叔・季………(114)
 伺・侍・俟………(114)
 作・做・为・搞
 (附：搅)………(115)
 住・驻………(116)
 住・居・宅・宿………(117)
 含・涵・衔………(117)
 每・各………(118)
 告・诉・诰………(119)
 卵・蛋………(120)
 邻・里・乡・党………(121)
 我・咱・依・俺・
 吾・予・余・朕………(121)

- 龟・鳌・鼋………(123)
 身・躬・躯………(123)
 坐・座・踞………(124)
 余・餘・裕・富・贵(124)
 针・灸・砭………(125)
 际・隙………(126)
 坠・堕・陨………(126)
 忌・讳………(127)
 妊・娠………(127)
 媳・嫗・姥………(128)
 驳・杂………(128)
 纲・领………(129)
 纵・横………(129)
 纯・淳・醇………(130)

八画

- 青・苍・碧・绿・
 蓝………(130)
 诚・忱………(131)
 讄・骂………(131)
 性・情………(132)
 怜・闵・悯・愍………(132)
 怯・懦………(133)
 怪・奇・异………(133)
 泡・沤・浸・漬………(134)
 泽・洼………(135)

| | |
|-------------|-------|
| 沮・阻 | (135) |
| 治・理 | (135) |
| 汨・眵・涕(附“涙”) | (136) |
| 泼・洒・澆 | (136) |
| 沾・染 | (137) |
| 沿・滨 | (137) |
| 泥・土・淤 | (138) |
| 法・律 | (138) |
| 法・术 | (139) |
| 沽・酷 | (139) |
| 变・化 | (140) |
| 官・吏・僚・宦 | (140) |
| 定・订 | (142) |
| 宗・庙 | (142) |
| 宗・族 | (142) |
| 宝・贵 | (143) |
| 审・查・调 | (143) |
| 房・屋 | (144) |
| 帘・簾・幌 | (145) |
| 祈・祷・祝 | (145) |
| 炉・灶 | (146) |
| 衫・袄・褂・褐 | (146) |
| 郊・野(附“蛮”) | (146) |
| 券・符・票・契 | (147) |
| 卷・册・本 | (148) |
| 环・玦 | (149) |
| 英・俊・豪・杰 | (149) |
| 拉・拖・拽・扯 | . |
| 牵・抽・拽 | (149) |
| 抱・搂 | (150) |
| 拂・掸 | (151) |
| 奉・承 | (151) |
| 奔・跑 | (152) |
| 巷・街・弄 | (152) |
| 丧・亡 | (153) |
| 其・厥 | (153) |
| 咏・吟 | (154) |
| 呱・啾 | (155) |
| 呼・吸・息 | (155) |
| 岸・涯・垠 | (156) |
| 贮・储 | (156) |
| 贬・谪・斥 | (157) |
| 败・负 | (158) |
| 购・买・市・街 | (159) |
| 罗・绮 | (160) |
| 罗・网 | (160) |
| 供・贡 | (161) |
| 依・倚 | (161) |
| 舍・捨・馆 | (162) |
| 征・伐・侵・袭 | . |
| 讨・攻 | (163) |
| 肥・胖 | (164) |

| | | | |
|-------------|-------|-------------|-------|
| 股・肱 | (164) | 洽・协 | (177) |
| 炙・烤・烘・熏 | | 宫・室・堂・府 | (177) |
| 烙・焙 | (165) | 阁・栈 | (178) |
| 知・识 | (165) | 闺・阁 | (179) |
| 叙・簪・笄 | (166) | 炮・烙 | (179) |
| 乖・舛・戾・刺 | (166) | 疮・痍 | (180) |
| 和・跟・同・及 | | 神・祇 | (180) |
| 而・并・与・或 | (167) | 姿・态 | (180) |
| 刮・括 | (168) | 觉・悟 | (181) |
| 狐・狸 | (168) | 突・特 | (181) |
| 虱・蚤 | (169) | 突・忽・驟・猛 | |
| 姓・氏 | (169) | 乍・陡 | (182) |
| 姐・姊・嫗 | (170) | 美・丽・麗(附“艳”) | (182) |
| 经・典 | (170) | 举・拔・擢 | (183) |
| 经・筋 | (171) | 逆・迎 | (184) |
| 缓・綏・纶(附“紳”) | (171) | 亲・眷・戚 | (184) |
| 贯・串 | (172) | 指・趾 | (184) |
| 九 画 | | 指・挥・麾 | (185) |
| 说・讲 | (172) | 挥・霍 | (185) |
| 亭・台・楼・榭 | (173) | 拭・揩・擦・抹 | (186) |
| 总・终 | (174) | 拯・振・账 | (186) |
| 总・统・综 | (174) | 拼・凑 | (187) |
| 洞・穴・孔 | (175) | 挤・榨 | (187) |
| 洲・渚・岛・屿 | (175) | 荐・薦・祭 | (187) |
| 津・渡・济 | (176) | 荣・华 | (188) |
| | | 威・权 | (189) |

| | | | |
|-----------|------------|----------|------------|
| 垣・塘・堵・堞 |(189) | 睂・睇・瞟・睐 |(200) |
| 标・准・的 |(189) | 眇・盲・瞎・瞍 |(200) |
| 树・木・种・植 |(190) | 眊・眩 |(200) |
| 栋・梁 |(191) | 盹・眠・困(睇) |(200) |
| 柑・桔・枳 |(191) | 瞌 |(201) |
| 枯・槁 |(191) | 思・想 |(201) |
| 玷・瑕・疵・斑 |(191) | 战・争 |(202) |
| 驳 |(192) | 卑・贱・鄙 |(202) |
| 研・究 |(192) | 俭・朴 |(203) |
| 甚・很・最・至 |(192) | 须・髯・髭 |(204) |
| 极 |(193) | 须・需 |(204) |
| 砖・瓦 |(193) | 急・亟 |(205) |
| 砍・割・劈 |(194) | 追・逐 |(205) |
| 封・赠 |(194) | 胚・胎 |(205) |
| 咸・鹹・盐・腌 |(195) | 盈・羸 |(206) |
| 咬・啮・啃・噬 |(195) | 叙・序 |(206) |
| 晒・笑 |(196) | 看・睹 |(207) |
| 咽・喉 |(196) | 柔・软 |(207) |
| 炭・灰 |(197) | 骄・傲 |(207) |
| 幽・冥(附“暝”) |(197) | 孩・婴・孺・娃 |(208) |
| 显・著 |(197) | 险・阻 |(208) |
| 畏・惧・恐・惊 |(197) | | |
| 骇 |(198) | | |
| 胃・肚・肫 |(199) | | |
| 界・畛・畔 |(199) | | |
| 背・驮 |(199) | | |
| | | 十 画 | |
| | | 养・畜 |(209) |
| | | 原・源 |(210) |
| | | 读・念(唸) |(210) |

谄・谀 (210)
凌・凌・陵 (211)
高・深 (211)
衰・微・弱 (212)
浮・漂 (212)
斋・戒 (213)
容・貌 (213)
烦・繁・蕃 (214)
旄・旌・旃 (214)
疼・痛 (215)
疾・病 (215)
资・财・货・贿
 · 赊 (216)
朔・望 (216)
捕・捉 (217)
顾・眷 (217)
格・局 (218)
桎・梏・枷・锁 (218)
珠・玑 (219)
班・分 (219)
耻・辱・羞 (220)
破・坏 (220)
恭・敬・尊 (221)
赶・趨 (222)
哭・泣・号・啼
 · 嚎 (222)

晏・宴 (222)
监・鉴 (223)
倡・优 (223)
借・藉・贷 (224)
衾・被 (225)
狼・狈 (225)
秘・密 (225)
逢・遇・遭 (226)
鬼・祟・蜮・魔 (226)
颂・赞 (227)
缺・阙 (227)
乘・趁(附“逞”) (228)
通・达 (229)
能・得・会 (230)
继・续 (231)
屣・屣・履・履 (231)
烝・蒸 (232)

十一画

谏・劝・诫 (232)
谓・曰・说・云 (233)
商・贾 (234)
渗・滤・漉 (235)
淡・澹 (235)
混・浑 (236)
淹・湮 (236)

盜・賊・窃・偷・

- 匪・寇 (236)
寄・寓 (238)
寐・寢・睡(附“寤”) (238)
基・础 (239)
掠・略 (239)
探・索 (240)
春・搗 (240)
教・导・化 (240)
酬・酣・醉 (241)
帷・幕・幄・帳・
帏 (241)
眼・目 (242)
唯・惟・维 (243)
晨・旦・早・朝・
晓・曙 (243)
蛀・蠹・蠹 (245)
剥・削 (245)
假・借 (246)
偶・耦 (246)
领・颈・项・脖 (247)
笞・策 (248)
盘・蟠 (248)
脸・面 (248)
矫・揉 (249)
屠・宰 (249)

十二画

- 温・暖 (250)
痛・恸 (250)
窗・牖・向 (251)
裤・袴・褲 (251)
援・持・操・执・
把・秉 (252)
堤・坝・堰 (253)
琴・瑟 (253)
棺・槨・柩 (254)
棵・颗 (254)
棹・桨・橹 (255)
联・连 (255)
颊・颐 (256)
煮・余・烧・熬・
炖・焖 (256)
游・遊・泳・泅 (257)
喻・谕 (257)
喷・涌 (258)
跋・涉 (258)
道・路・涂・(途)・
蹊・径 (259)
嵎・隅 (259)
赋・税 (260)
装・饰 (260)

黑・乌・缁・玄・澗・澗

- 墨・黛.....(260)
堡・垒.....(261)
锅・鼎・釜・甑.....(262)
锋・锐・利.....(262)
稀・疏.....(263)
意・义.....(263)
筵・席.....(264)
謹・慎.....(264)

十三画

- 溶・熔・融.....(265)
新・鲜.....(265)
楷・模・范・型.....(266)
辐・辏・輶.....(266)
勤・劳・累・劬.....(267)
斟・酌.....(267)
碑・碣.....(268)
暗・黯・晦.....(269)
跬・步.....(269)
跳・蹦・踊・跃.....(269)
跪・蹠・蹲.....(270)
简・帛・牍.....(270)
辞・谢.....(271)
解・析・释.....(272)

(263).....墨・暈・頂・蒙

- (183).....十四画
墨・跡.....(263)
魂・魄.....(272)
睫・眉.....(273)
稗・莠.....(273)
算・筭.....(274)
箫・笛.....(274)

十五画

- 潮・汐.....(274)
澄・清.....(275)
颜・色.....(275)
聪・敏・慧 (附
“惠”)(276)
幢・栋.....(277)
踏・蹈.....(277)
箭・矢・镝・鏃.....(277)
篇・编.....(278)
稼・穡.....(279)

十六画以上

- 辨・辯.....(279)
蔽・荫.....(279)

| | | | |
|---------|-------|-------|-------|
| 霓・虹・晕・华 | (280) | 瞻・眺 | (282) |
| 襁・褓 | (281) | 鬃・鬣・髦 | (282) |
| 羁・绊 | (281) | 簿・籍 | (282) |
| 徼・章 | (281) | 囊・橐 | (283) |
| | (282) | 眴・眴・睂 | (283) |
| | (283) | 眞・眞 | (283) |
| | (284) | 义・意 | (283) |
| | (284) | 眞・眞 | (284) |
| | (285) | 眞・眞 | (285) |

画五十

| | |
|-----|-------|
| 鬯・断 | (284) |
| 眞・眞 | (285) |
| 鬯・眞 | (285) |

画六十

| | |
|-----|-------|
| 纁・畿 | (285) |
| 眞・眞 | (285) |

画三十

| | |
|-------|-------|
| 眴・眴・睂 | (283) |
| 眞・眞 | (283) |
| 眴・眴 | (283) |